भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या – 1218
दिनांक 06.02.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

विदेशों में भारतीय छात्रों के खिलाफ हिंसा

1218. श्री असादुद्दीन ओवैसीः

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को विदेशों में भारतीय छात्रों के विरुद्ध हिंसा की बढ़ती घटनाओं की जानकारी है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या इस संबंध में समय पर कोई जांच की गई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) सरकार द्वारा उच्च जोखिम वाले देशों में छात्रों की सुरक्षा बढ़ाने और उनके लिए जोखिम को कम करने के लिए क्या कूटनीतिक कदम उठाए गए हैं;
(घ) क्या सरकार ने विदेशों में संकट के मामले में शिकायत करने के लिए कोई हेल्पलाइन नंबर जारी किया है; और
(ङ) क्या सुरक्षा और आपातकालीन प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विदेशों में भारतीय दूतावासों द्वारा कोई पूर्व-अभिविन्यास सत्र आयोजित किए गए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क से ङ) विदेशी विश्वविद्यालयों में 2018 के बाद से हिंसक हमलों के कारण मरने वाले भारतीय छात्रों की कुल संख्या की देशवार सूची **अनुबंध-1** में दी गई है।

सरकार विदेश में भारतीय छात्रों की सुरक्षा और संरक्षा को उच्च प्राथमिकता देती है और उनके विरुद्ध हिंसा की घटनाओं पर नजर रखती है। उनके विरुद्ध हिंसक और अनुचित घटनाओं को तत्काल विदेश स्थित भारतीय मिशनों / केन्द्रों द्वारा मेजबान देश के संबंधित प्राधिकारियों के साथ उठाया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनकी ठीक से जांच की जाए और अपराधियों को दंडित किया जाए।
भारतीय मिशन / केन्द्र अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले विदेशी विश्वविद्यालयों में नामांकित भारतीय छात्रों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखने के लिए कदम उठाते हैं और वहां उनके आगमन पर विदेश में अध्ययन करते समय संभावित चुनौतियों, जोखिमों और सावधानियों के विषय में जानकारी देने के लिए उनके साथ पूर्व-अनुकूलन सत्र आयोजित करते हैं, जिसमें समय-समय पर परामर्शी जारी करना भी शामिल है।

भारतीय छात्रों को प्रभावी संचार और समय पर सहायता सुनिश्चित करने के लिए, इस मंत्रालय के मदद पोर्टल, विशेष रूप से भारतीय छात्रों के लिए तैयार किए गए व्हाट्सएप समूहों, कोंसली शिविरों, ओपन हाउस, आपातकालीन हॉटलाइन आदि सहित विभिन्न माध्यमों से स्थानीय भारतीय मिशनों / केन्द्रों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट से प्रभावित देशों में और जहां छात्रों को गुमराह या शोषण किए जाने का जोखिम अधिक हो सकता है, भारतीय मिशन / केन्द्र भी सतर्क रहते हैं। भारतीय छात्रों को प्रभावित करने वाली किसी भी घटना को उनकी सुरक्षा और उचित निवारण सुनिश्चित करने के लिए तत्काल मेजबान सरकारों के साथ उठाया जाता है। आवश्यकता पड़ने पर आपातकालीन चिकित्सा सहायता, अस्थायी आवास और अन्य

आवश्यक सेवाओं सहित कोंसली सहायता प्रदान की जाती है। भारतीय समुदाय कल्याण कोष (आईसीडब्ल्यूएफ) का उपयोग संकट के समय में छात्रों सहित भारतीय नागरिकों का सहयोग करने और आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्रदान करने के लिए किया जाता है।

आपातकाल के दौरान, भारत सरकार ने छात्रों सहित भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और उन्हें स्वदेश वापस लाने के लिए बड़े पैमाने पर निकासी अभियान चलाया है। हाल के उल्लेखनीय निकासी अभियानों में ऑपरेशन देवी शक्ति (अफगानिस्तान), ऑपरेशन गंगा (यूक्रेन), ऑपरेशन कावेरी (सूडान), ऑपरेशन अजय (इजरायल) और ऑपरेशन सिंधु (इजरायल और ईरान) शामिल हैं। ये प्रयास विदेशों में भारतीय छात्रों की सुरक्षा तथा भलाई सुनिश्चित करने और उन्हें उपद्रवियों और असुरक्षित सुरक्षा स्थितियों से बचाने के लिए भारत सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

*****

अनुबंध- I

हिंसक हमलों के कारण भारतीय छात्रों की मौतें (2018-2025)

क्र.सं.	देश का नाम	हिंसक हमलों के कारण हुई मौतों की संख्या
1.	ऑस्ट्रेलिया	3
2.	कनाडा	17
3.	चीन	1
4.	डेनमार्क	1
5.	जर्मनी	1
6.	ग्रेनेडा	1
7.	किर्गिज़स्तान	2
8.	यूएसए	9
9.	यूके	1

*****